मेक इन इंडिया के 11 साल

भारत बन रहा मैन्युफैक्चरिंग हब : पीयूष

भारत बना विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता

पीएलआई योजना से बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार सृजन

नई दिल्ली, 25 सितंबर.'मेक इन इंडिया' पहल के 11 वर्ष पूरे होने पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह कार्यक्रम भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब में बदल रहा है. 25 सितंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई इस पहल ने देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गोयल ने लिखा, पिछले 11 वर्षों में रिकॉर्ड विदेशी निवेश, व्यापार करने में आसानी में सुधार, विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बनना, निर्यात में वृद्धि और रक्षा उत्पादन का विस्तार इस बात का प्रमाण है कि हमने कितनी प्रगति की है. उन्होंने उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि इसने बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार सृजन किया है. साथ ही, युवाओं और महिलाओं की ऊर्जा से प्रेरित स्टार्टअप इकोसिस्टम ने भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इनोवेशन केंद्र बनाया है.

गोयल ने कहा, यह यात्रा उद्योगों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, उद्यमियों और स्वदेशी भावना को अपनाने वाले प्रत्येक नागरिक के सामूहिक प्रयासों से संभव हुई है. 'मेक इन इंडिया' की 11 साल की कहानी पुनरुत्थान की कहानी है, और अगला दशक आत्मनिर्भर व विकसित भारत के वैश्विक नेतृत्व की कहानी लिखेगा. केंद्रीय मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर देश ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं.

नई पहलों का अनावरण

पिछले सप्ताह, गोयल ने 'मेक इन इंडिया' को और गति देने के लिए कई परिवर्तनकारी पहलों का अनावरण किया. इनमें परिचालन दक्षता बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम तैयार करने की योजनाएं शामिल हैं. उन्होंने लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक) 2.0 भी लॉन्च किया, जो भारत को डिजिटल रूप से सशक्त, निवेश के लिए तैयार और निर्यात में प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है.'मेक इन इंडिया' की यह यात्रा आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है, जो देश को वैश्विक मंच पर नई पहचान दे रही है.

शेयर बाजारों में लगातार पांचवें दिन गिरावट

मुंबई, 25 सितंबर. विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिका के साथ जारी व्यापार तनाव की चिंता में घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को लगातार पांचवें दिन गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 555.96 अंक (0.68 प्रतिशत) लुढ़ककर 81,159.68 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 166.05 अंक नीचे 24,890.85 अंक पर बंद हुआ. पांच दिन में सेंसेक्स लगभग 1854 अंक और निफ्टी-50 करीब 532 अंक गिरकर 09 सितंबर के बाद के निचले स्तर पर आ चुके हैं. चौतरफा बिकवाली के बीच सिर्फ धातु सेक्टर की कंपनियों में निवेशकों ने विश्वास दिखाया.

कंज्यूमर सेक्टर में सुधार के संकेत : रिपोर्ट

ग्रामीण मांग वास्तविक मजदूरी से बनी मजबूत

जीएसटी कटौती से खाद्य-पेय कंपनियों को बड़ा लाभ

नई दिल्ली, 25 सितंबर. भारत के कंज्यूमर सेक्टर में एक साल से अधिक समय तक शहरी मांग में कमजोरी बने रहने के बाद अब सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं. यह जानकारी गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई है.

एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च के अनुसार, यह सुधार अनुकूल आधार, आयकर में कटौती और जीएसटी रेट में कमी जैसे कारकों से प्रेरित होने की उम्मीद है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इन उपायों से लगभग ?2-2.5 लाख करोड़ सीधे उपभोक्ताओं के हाथ में आएंगे, जो कुल घरेलू खर्च का लगभग 2-8% होगा. एचएसबीसी ने कहा कि कोविड के बाद की तेजी के बाद से खपत का माहौल सुस्त था, लेकिन हाल के नीतिगत बदलावों से इस सेक्टर को जरूरी बढ़ावा मिल सकता है. रिपोर्ट के अनुसार, सुस्त रही शहरी मांग में अब सुधार होने की उम्मीद है, जबकि बढ़ती वास्तविक मजदूरी के कारण ग्रामीण मांग पहले से ही मजबूत बनी हुई है. हालांकि, रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि अधिक बचत या ऋण चुकाने की प्रवृत्ति से यह रिकवरी धीमी हो सकती है.

जीएसटी रेट में कटौती का प्रभाव

रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी रेट में कटौती से घरेलू और पर्सनल केयर सेगमेंट की तुलना में खाद्य और पेय कंपनियों को अधिक लाभ होगा. छोटे पैक वाले बिस्कुट, नमकीन स्नैक्स और चॉकलेट जैसे उत्पादों की खपत में सीधे बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जबकि साबुन और ओरल केयर जैसी श्रेणियों में मांग में केवल एक बार उछाल देखने को मिल सकता है.

उद्योग मंत्री ने निवेशकों को दिया हरसंभव मदद का भरोसा

नयी दिल्ली, 25 सितंबर. बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने गुरुवार को यहां एक कार्यक्रम में निवेशकों से राज्य उद्योग लगाने का आह्वान करते हुए सरकार द्वारा हरसंभव मदद का आश्वासन दिया.

मिश्रा ने एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में उद्योग विभाग की ओर से हाल में स्वीकृत बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025 के संबंध में निवेशकों से संवाद किया. इससे पहले इस पैकेज को पटना में लॉन्च किया गया था. उद्योग मंत्री ने बीआईआईपीपी की प्रशंसा करते हुए कहा, यह पैकेज बिहार के औद्योगिक विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम है.

बीआईआईपीपी-2025 के माध्यम से मुफ्त जमीन

औद्योगिक विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम

यह न केवल निवेश आकर्षित करेगा, बल्कि राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर सृजित करेगा. यह बिहार को औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा. हमारा लक्ष्य है कि बिहार न केवल देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक औद्योगिक शक्ति के रूप में उभरे.

डिगो और एसबीआई ने पेश किया को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

इंडिगो एसबीआई कार्ड का उपयोग करके खरीदारी पर तीन प्रश रिवॉर्ड मिलेगा

नयी दिल्ली, 25 सितंबर. विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक के साथ साझेदारी में गुरुवार को को-ब्रांडेड इंडिगो एसबीआई कार्ड पेश करने की घोषणा की. यह प्रीमियम क्रेडिट कार्ड दो वेरिएंट, इंडिगो एसबीआई कार्ड और इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट में लॉन्च किया गया है.

ग्राहकों को इंडिगो के इकोसिस्टम के अंतर्गत आने वाले सभी ऑफर, होटल और यात्रा बुकिंग सहित अन्य श्रेणियों पर किये गये सभी खर्चों पर रिवॉर्ड प्वाइंट मिलेंगे. इंडिगो के टिकट बुक कराने या उसके साझेदारों से साथ होटल बुकिंग आदि पर इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट के माध्यम से खर्च करने पर सात प्रतिशत और इंडिगो एसबीआई कार्ड का उपयोग करके खरीदारी पर तीन प्रतिशत रिवॉर्ड मिलेगा. इंडिगो इकोसिस्टम से बाहर अन्य प्लेटफॉर्म पर होटल और यात्रा बुकिंग के लिए इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट के धारकों को तीन प्रतिशत और इंडिगो एसबीआई कार्ड के उपयोगकर्ताओं को दो प्रतिशत रिवॉर्ड मिलेगा. अन्य सभी श्रेणियों में खर्च के लिए क्रमश: दो प्रतिशत और एक प्रतिशत रिवॉर्ड मिलेगा. ये रिवॉर्ड इंडिगो ब्लूचिप्स के रूप में होंगे. कार्डधारक इन्हें इंडिगो की सेवाओं जैसे फ्लाइट बुकिंग, होटल बुकिंग, सीट अपग्रेड, भोजन और फास्ट फॉरवर्ड जैसी सेवाओं के वाउचर आदि के माध्यम से भुना सकते हैं.

एसबीआई कार्ड की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलिला पांडे ने कहा, एसबीआई कार्ड में, हमने देखा है कि यात्रा हमारे कार्डधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण व्यय श्रेणी है. एक ग्राहक-केंद्रित संगठन के रूप में, हम बदलती जरूरतों को अच्छी तरह समझते हैं और इसलिए इंडिगो एसबीआई कार्ड लॉन्च करने और ऐसी जरूरतों को पूरा करने के लिए इंडिगो के साथ यह रणनीतिक साझेदारी की है.

तीन साल में 1,800 नौकरियों के अवसर

नॉएडा की कंपनी संग साझेदारी

नई दिल्ली, 25 सितम्बर. लंदन स्थित स्मार्टफोन निर्माता ने भारत में अपने स्मार्टफोन निर्माण को बढ़ावा देने के लिए के साथ एक संयुक्त उद्यम की घोषणा की है. इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियाँ आने वाले तीन वर्षों में 100 मिलियन (लगभग 830 करोड़ रुपये) से अधिक का निवेश करेंगी और 1,800 से ज्यादा नई नौकरियों का सृजन होगा. लंदन की टेक कंपनी ने भारत में अपनी स्मार्टफोन निर्माण क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 100 मिलियन से अधिक के निवेश की घोषणा की है. यह कदम भारत को वैश्विक निर्माण केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा संकेत है. संस्थापक कार्ल पेई ने बताया कि कंपनी ने भारत में पहले ही 200 मिलियन से अधिक का निवेश किया है और यह नया कदम भारत को ग्लोबल स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में है. हालांकि, नई निर्माण इकाई कहाँ स्थापित होगी और उसकी उत्पादन क्षमता क्या होगी,

ट्रेडिंग के तरीकों पर पुनर्विचार करेगा एनएसई

नयी दिल्ली, 25 सितंबर. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई के प्रबंध निदेशक आशीष चौहान ने बुधवार को कहा कि ऑप्शन और फ्यूचर ट्रेडिंग के तौर तरीकों पर एक्सचेंज पुनर्विचार कर रहा है.

चौहान ने यहां उनके जीवन पर लिखी गई एक किताब के विमोचन के मौके पर यह बात कही. इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि फ्यूचर और ऑप्शन ट्रेडिंग में कई लोग पैसा गवां रहे हैं, ऐसे आंकड़े हैं मिले हैं. इसे देखते हुए इस बात पर पुनर्विचार किया जा रहा है कि इसके ट्रेडिंग के तौर तरीकों को बदलने की जरूरत है या नहीं. इस संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में श्री चौहान ने कहा , हमारे घरों में सदियों से चाकू का इस्तेमाल हो रहा है लेकिन किसी बच्चे का हाथ कट जाने के डर से हम चाकू पर प्रतिबंध नहीं लगा देते हैं. घर में मां देखती है कि बच्चा चाकू तक न पहुंच सके. इसी तरह से हमें यह देखना है कि कौन इस तरह के इंस्ट्रूमेंट को हैंडल करने के लिए सक्षम है और कौन नहीं? उन्होंने इस पर पूरी तरह प्रतिबंध के विचार को खारिज कर दिया. आशीष चौहान = स्थितप्रज्ञ नाम की इस पुस्तक के लेखक डॉ मयूर शाह हैं. संस्मरण के रूप में पेश इस पुस्तक का विमोचन केंद्रीय कानून एवं विधि राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया. उन्होंने कहा कि वित्त राज्य मंत्री के तौर पर मुद्रा योजना की लांचिंग के समय उन्होंने आशीष चौहान क् योगदान को देखा है.

स्कोडा की ऑक्टाविया आरएस करेगी वापसी

नयी दिल्ली, 25 सितंबर. कार निर्माता कंपनी स्कोडा ऑटो इंडिया ने गुरुवार को भारतीय बाजार में ऑक्टाविया आरएस कार की नये स्वरूप में वापसी की घोषणा की. यह ग्लोबल आइकॉन भारत में सीमित मात्रा में पूरी तरह निर्मित इकाई के रूप में उपलब्ध होगा. ऑक्टाविया की वापसी पर टिप्पणी करते हुए स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा, इस साल की शुरुआत में, हमने वादा किया था कि एक ग्लोबल आइकॉन भारत में वापसी करेगा. हमने ऑक्टाविया के साथ उस वादे को पूरा किया है. यह एक बेजोड़ विरासत को समेटे हुए है, जिसका जुनून दो दशकों से भी ज्यादा समय से दुनिया भर के जोशीले लोगों में कायम रहा है. भारत में बिल्कुल नयी ऑक्टाविया आरएस सिर्फ एक कार की वापसी तक सीमित नहीं है, यह एक जज्बे की वापसी है. विज्ञप्ति में कहा गया है कि नयी ऑक्टाविया आरएस पहले से कहीं अधिक शार्प, बोल्ड और एक्सक्लूसिव है. भारत में ऑक्टाविया आरएस पहली बार 2004 में देश की पहली टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन वाली पैसेंजर कार के रूप में आयी थी.

बैंकों के डिजिटल कामकाज में तेज़ी लाने के लिए समझौता

मुंबई, 25 सितंबर. शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के मंच राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड ने शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के डिजिटल परिवर्तन को तेज़ करने के लिए सीएससीई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं.

एनयूसीएफडीसी की यहां गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस साझेदारी का उद्देश्य शहरी सहकारी बैंकों को सुरक्षित और अनुपालन योग्य डिजिटल बुनियादी ढाँचे से लैस करना है. यह काम चरणबद्ध तरीके से लागू किया जायेगा और इसकी शुरुआत आधार-आधारित ई-केवाईसी, ई-साइन, डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र, डिजिलॉकर एकीकरण, ई-स्टाम्प सेवाएँ, क्लाउड होस्टिंग, डेटा सेंटर प्रबंधन और साइबर सुरक्षा समाधानों से होगी. इसके बाद के चरणों में इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग, कियोस्क-आधारित सेवाएँ और डिजिटल संचार प्लेटफ़ॉर्म शुरू किए जाएँगे. विज्ञप्ति के अनुसार एनयूसीएफडीसी अपने सदस्य शहरी सहकारी बैंकों में इसे अपनाने में मदद करेगा, जबकि सीएससीई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड अपना प्लेटफ़ॉर्म,एपीआई और परिचालन सहायता प्रदान करेगी. इस समझौते के तहत एक संयुक्त शासन दल कार्यान्वयन और क्षमता निर्माण की देखरेख करेगा. इस समझौते में प्रशिक्षण, अनुपालन सहायता, शिकायत निवारण और डेटा सुरक्षा उपाय शामिल हैं, जिसमें यूसीबी के संस्थागत प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लागू नियामक मानदंडों के साथ तालमेल बिठाने पर ज़ोर दिया गया है.

चतुर्वेदी ने कहा, शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को अपनी विरासत के साथ-साथ डिजिटल युग में भी कदम रखने की आवश्यकता है. यह सहयोग शहरी सहकारी बैंकों को आधुनिकीकरण और लचीलेपन के पथ पर मजबूती से स्थापित करेगी. सीएससी एसपीवी के समूह अध्यक्ष भगवान पाटिल ने कहा, सीएससी एसपीवी की डिजिटल रीढ़, एनयूसीएफडीसी के संस्थागत अधिदेश के साथ मिलकर, शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के परिवर्तन के लिए एक शक्तिशाली तकनीकी मंच तैयार करने वाली है.

तमिलनाडु में भी कांग्रेस ने मोर्चा खोला

चेन्नई. कांग्रेस पार्टी जहां भी प्रादेशिक पार्टियों के साथ गठबंधन में है वहां उसने अपने विस्तार के लिए मोर्चा खोल दिया है. बिहार के बाद कांग्रेस ने तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले ज्यादा सीटों की मांग शुरू कर दी है.

कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि लोकसभा में पार्टी के सांसदों की संख्या बढ़ी है और देश भर में राहुल गांधी की वजह से भाजपा विरोधी माहौल बना है. इसका लाभ पार्टी को मिलना चाहिए. तमिलनाडु कांग्रेस के विधायक एस राजेश कुमार ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में ज्यादा सीटों पर लड़ने की मांग की है और साथ ही कहा है कि पार्टी को सरकार में शामिल होना चाहिए.कांग्रेस विधायक ने कहा है कि राज्य में डीएमके सरकार की बजाय 'इंडिया' ब्लॉक की यानी गठबंधन की सरकार होनी चाहिए. गौरतलब है कि 239 सदस्यों वाली तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव में 2021 में कांग्रेस सिर्फ 25 सीटों पर चुनाव लड़ी थी.

पर्दे के पीछे राजद को बदलने वाला शख्स!

पटना. बिहार में लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल पिछले कुछ सालों में बदली दिखी है, पटना से लेकर दिल्ली तक उसके नेताओं में और रणनीति में बड़ा बदलाव दिखा है, लालू यादव के सामाजिक समीकरण के साथ-साथ अब राजद युवाओं पर भी फोकस करती दिख रही है.

ये बदलाव तेजस्वी की राजनीति में एंट्री के साथ ही दिखने लगी थी, लेकिन इस बदलाव के पीछे एक और नाम की चर्चा होती रही है. कहा जाता है राजद की छवि को बदलने में संजय यादव का बड़ा हाथ है, जिन्हें तेजस्वी ही अपनी पार्टी में लेकर आए थे. 24 फरवरी 1984 को हरियाणा के नांगल सिरोही गांव में जन्मे संजय यादव ने कंप्यूटर साइंस और मैनेजमेंट की पढ़ाई की है.

Form No. IV
(See Sub rule 2(a) of Rule 5)
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL
2nd & 3rd Floor, Sachar Vikas Bhawan, BSNL Building, Near Head Post Office, Jabalpur (M.P.)
(Area for Jurisdiction - Madhya Pradesh)
(Summon under Sub-Section (4) Section 19 of the Act, read with Sub-Rules 2A) of rule 5 of Debts Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.
Original Application No. 1248/2024

Applicant : Central Bank of India,
VERSUS
Defendants : Mr. Ashish Jain
1. Mr. Ashish Jain S/o Shri Vimal Kumar Jain
167/2, Archana Nagar, Bade Kua ke Pass, Near Nagar Nigam, Indore (M.P.) 452007
Also at: LG-10, Mule Tower, 164, M.G. Road, Indore (M.P.) 452002

Whereas, OA No. 1248/2024 was listed before Hon'ble Presiding Officer on 26.11.2024.
Whereas the Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons/notice on the said Application under section 19(4) of the Act (OA) filed against you recovery of debts of **Rs. 22,17,864.15/-**. (Application along with copies of documents etc. annexed)
In accordance with sub-section (4) of section 19 of the Act, you the defendants are directed as under :-
1. To show case within thirty days of the service of the summons as to why relief prayed for should not be granted.
2. To disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under Serial No.3A of the original application.
3. You are restrained from dealing without disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under Serial No. 3A of the Original Application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties.
4. You shall not transfer by way of sale, lease or otherwise. except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest created and /or other assets and properties specified or disclosed under Serial No. 3A of the Original Application without the prior approval of the Tribunal.
5. You shall be liable to account for the sale proceeds realized by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank of financial institutions holding security interest over such assets.
6. You are also directed to file the Written Statement with a copy there of furnished to the applicant and to appear **01.10.2025** at **10.30 A.M.** failing which the application shall be heard and decided in your absence.
Given under my hand and the seal of the Tribunal, this **24th September, 2025.**
SEAL
Authorised Officer
Debts Recovery Tribunal, Jabalpur

TATA
टाटा कैपिटल हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : 11 वीं मंजिल, टॉवर ए, पेनीनसुला बिजनेस पार्क, गणपतराव कदम मार्ग लोवर परेल, मुम्बई-400013.
शाखा कार्यालय : 9/1/1, सूरज भवन, दूसरी मंजिल, येस बैंक के ऊपर, एम.जी. रोड़, इन्दौर-452001

अचल संपत्ति की बिक्री हेतु विक्रय सूचना
(सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) सपठित नियम 9(1) के तहत)
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) सपठित नियम 9(1) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु 30 दिवसीय ई-नीलामी सूचना

एतद्द्वारा सर्व सामान्य और विशेषकर अधोलिखित कर्जदार और/सह-कर्जदार या उनके कानूनी उत्तराधिकारियों/प्रतिनिधियों (कर्जदारों) को सूचित किया जाता है कि टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लि. (टीसीएचएफएल), को बंधक अधोल्लिखित अचल संपत्ति जिसका टीसीएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा लिया गया, अधोलिखित कर्जदार और सह-कर्जदार से कुल बकाया राशि की वसूली के लिए **'जो है जहाँ है' और 'जहाँ है, जैसा भी है' और 'जो भी हैं'** आधार पर दिनांक **28-10-2025** को बिक्री की जायेंगी। आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि जमा निम्न वर्णित हैं। एतद्वारा सूचित किया जाता है कि बिक्री के किसी स्थगन / बाधा के अभाव में उक्त संपत्ति ई-नीलामी के माध्यम से दिनांक **28-10-2025** को दोपहर **2:00** बजे बिक्री की जायेगी। संपत्ति खरीद के लिए मुहरबंद ई-नीलामी हेतु ईएमडी राशि का डिमांड डाफ्ट टीसीएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा दिनांक **27-10-2025** को समय सायं **5.00** बजे तक शाखा कार्यालय : **टाटा कैपिटल हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड,** 9/1/1, सूरज भवन, द्वितीय तल, यस बैंक के ऊपर, एम. जी. रोड़, इंदौर-452001 पर जमा किया जाना चाहिए। प्रत्याभूत संपत्ति/अचल संपत्ति की बिक्री 'जैसी है जहाँ है शर्त' निम्न अनुसूची में उल्लिखित संक्षेप विवरणों के अनुसार होगी।

क्रं	ऋण खाता क्रं.	ऋणी(यों)/सह-ऋणी(यों)/कानूनी वारिस(सों)/जमानतदा(रों) के नाम	मांग सूचना के अनुसार राशि एवं मांग सूचना दिनांक	आरक्षित मूल्य	बकाया राशि
1	10115975 & 9583298	श्री इमरान मोहम्मद श्रीमती रासिदा अंसारी	रू. **372495/-** (रुपये तीन लाख बहत्तर हजार चार सौ पिंच्यान्वे मात्र) की राशि अनुबंध क्रमांक 10115975 के अंतर्गत आपके द्वारा बकाया एवं देय है एवं रू. **3528875/-** (रुपये पैतीस लाख अठाईस हजार आठ सौ पिचहत्तर मात्र) की राशि अनुबंध क्र. 9583298 के अंतर्गत आपके द्वारा बकाया एवं देय है एवं कुल बकाया रू. **3901370/-** (रुपये उनचालीस लाख एक हजार तीन सौ सत्तर मात्र) **10-11-2022**	**Rs. 36,82,000/-** (रुपये छत्तीस लाख बयासी हजार मात्र) **अग्रिम जमा राशि (ईएमडी) - Rs. 3,68,200/-** (रुपये तीन लाख अड़सठ हजार दो सौ मात्र) **कब्जे का प्रकार – भौतिक**	रू. **5335469/-** (रुपये तिरेपन लाख पैतीस हजार चार सौ उनसत्तर मात्र) की राशि अनुबंध क्रमांक 9583298 के अंतर्गत आपके द्वारा बकाया एवं देय है एवं रू. **613405/-** (रुपये छ: लाख तेरह हजार चार सौ पांच मात्र) की राशि अनुबंध क्र. 10115975 के अंतर्गत आपके द्वारा बकाया एवं देय है एवं कुल बकाया रू. **5948874/-** (रुपये उनसाहठ लाख अड़तालीस हजार आठ सौ चौहत्तर मात्र) **15-09-2025**

अचल संपत्ति का विवरण:– अचल संपत्ति म.नं. 55, ए वन गार्डन, वार्ड-16, ग्राम निशातपुरा, भोपाल, मध्य प्रदेश के समस्त अधिकार, भाग एवं अंश, क्षेत्रफल - 945 वर्ग फीट।
चतुर्सीमा इस प्रकार है: पूर्व में: प्लॉट नंबर 56, पश्चिम में: प्लॉट नंबर 54, उत्तर में: सड़क , दक्षिण में: प्लॉट नंबर 51.
प्रकटीकरण: उधारकर्ता द्वारा TCHFL के खिलाफ दायर किया गया SA (SA/257/2024) डीआरटी, जबलपुर में लंबित है। इस मामले में TCHFL के खिलाफ कोई स्टे ऑर्डर नहीं है।
बोली लगाने से पहले बोली लगाने वालों को उचित जांच कर लेनी चाहिए। नीलामी का परिणाम कानूनी कार्यवाही पर निर्भर करेगा।

नीलामी में, आम जनता को व्यक्तिगत रूप से अपनी बोली प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। हालाँकि, इस बिक्री के संबंध में कोई भी कर्तव्य निभाने वाला कोई भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति, बेची गई अचल संपत्ति में कोई भी हित प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बोली नहीं लगाएगा, प्राप्त नहीं करेगा या प्राप्त करने का प्रयास नहीं करेगा।
बिकी प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 में निर्धारित शर्तों और निम्नलिखित अतिरिक्त शर्तों के अधीन होगी:
कृपया ध्यान दें: ई-नीलामी पोर्टल http://bankauctions.in/ के माध्यम से दिनांक 28-10-2025 को दोपहर 2.00 बजे से 3.00 बजे के बीच प्रत्येक 5 मिनट अवधि के असीमित विस्तार के साथ होगी।

नियम और शर्तें : 1. अनुसूची में दिया विवरण अधोहस्ताक्षरी के पूर्ण ज्ञान व जानकारी में दिया गया है, किंतु इस उदघोषणा अधोहस्ताक्षरी किसी त्रुटी, गलती या चूक के लिए अधोहस्ताक्षरी जवाबदेय नहीं होगा। बोली राशि या निविदाकार संबंधी किसी विवाद की स्थिति में अचल संपत्ति को दुबारा नीलामी के लिए रखा जायेगा। 2. संपत्ति आरक्षित मूल्य से कम पर नहीं बेची जायेगी। 3. बोली वृद्धि राशि: **रु.10,000/– (दस हजार मात्र)** 4. संपत्ति की खरीद के लिए सभी निविदाएँ **'टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड'** के पक्ष में और उपरोक्त शाखाओं में देय डिमांडड्राफ्ट के साथ जमा की जाएं। असफल निविदाकारों के डिमांड ड्राफ्ट वापस कर दिए जायेंगे। आरटीजीएस/ एनईएफटी/ आईएमपीएस के माध्यम से ईएमडी के भुगतान के लिए प्राधिकृत अधिकारी से संपर्क करें। 5. उच्चतम बोलीकारी को संबंधित लॉट का खरीदार घोषित किया जायेगा, बशर्ते वह विधिक रूप से बोली लगाने के लिए योग्य हो और उसकी बोली राशि आरक्षित मूल्य से कम न हो। 'प्राधिकृत अधिकारी' को अपने विवेक से उच्चतम बोली को अस्वीकार करने का अधिकार होगा जब उसे लगे कि पेशकश मूल्य स्पष्टरूप से अपर्याप्त है। 6. उपलब्ध कारणों से 'प्राधिकृत अधिकारी ' को अपने विवेक से बिक्री को स्थगित / रोकने का अधिकार होगा। 7. संपत्ति की निरीक्षण दिनांक **15-10-2025** को **सुबह 11:00 बजे से सायं 5:00 बजे** तक किया जा सकेगा। 8. खरीददार घोषित व्यक्ति को ऐसी घोषणा के तुरंत बाद क्रय राशि की पच्चीस प्रतिशत राशि जिसमें ईएमडी राशि शामिल होगी प्राधिकृत अधिकारी के पास 24 घंटे के अंदर जमा करनी होगी, यह राशि जमा न किए जाने की स्थिति में संपत्ति नई नीलामी/निजी संधि द्वारा बिक्री के लिए रखी जायेगी। 9. उपरोक्त अनुसार प्रारंभिक राशि जमा कर दिए जाने पर क्रय राशि की शेष राशि संपत्ति की बिक्री की पुष्टि होने की तारीख से 15 दिनों तक खरीदार द्वारा 'प्राधिकृत अधिकारी को जमा करनी होगी, यदि 15वें दिन कोई रविवार या अन्य अवकाश होता है तो 15वें दिन के बाद प्रथम कार्य दिवस को जमा करनी होगी। 10. उपरोक्तानुसार भुगतान न होने पर संपत्ति नई नीलामी / निजी संधि द्वारा बिक्री के लिए रखी जायेगी। सभी जमा राशि टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पास जब्त हो जायेगी और चूककर्ता खरीदार संपत्ति पर अपने सभी दावे खो देगा। 11. टाटा कैपिटल हाउसिंग फाईनेंस लि. को ज्ञात ऋणभारों जिनके लिए संपत्ति देनदार है का विवरण-कोई नहीं, दावे, यदि कोई हों, जो संपत्ति के लिए प्रस्तुत किए गए हों और इसकी प्रकृति और मूल्य से संबंधित कोई अन्य ज्ञात विवरण: उपरोक्त तालिका के अनुसार। उपरोक्त अनुसूची के विवरण अनुसार इच्छुक बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि वहां के संपत्ति कर, बिजली आदि के सांविधिक देनदारियों क्षेत्रों सहित संपत्ति पर ऋण भार के बारे में स्वयं जांच करें।
12. अन्य किसी विवरण अथवा संभावी निविदाकार को ई-नीलामी पर प्रक्रिया आनलाईन प्रशिक्षण के लिए हमारे ई-नीलामी सेवा प्रदाता मेसर्स 4क्लोजर, ब्लॉक नं. 605 ए, छटी मंजिल मैत्रीवनम कमर्शियल कॉम्पलेक्स, अमीरपेट, हैदराबाद-500038 ईमेल आईडी: info@bankauctions.in या मनीष बंसल, ईमेल आईडी Manish.Bansal@tatacapital.com अधिकृत अधिकारी मोबाइल नंबर 8588983696 से संपर्क कर सकते हैं। कृपया अपने प्रश्न व्हाट्सएप नंबर 9999078669 पर भेजें। 13. उच्चतम घोषित बोली राशि पर उच्चतम बोली दाता द्वारा 1% का टीडीएस लागू और देय होगा । भुगतान उच्चतम बोलीदाता द्वारा मालिक/उधारकर्ता (ओं) के पैन में जमा करना आवश्यक है और चालान की प्रति हमारी कंपनी को प्रस्तुत की जाएगी। 14. उपरोक्त विवरणों के लिए कृपया प्रदान की गई प्रत्याभूत ऋणदाता की वेबसाइट **https://surl.li/vvzyxw** का संदर्भ लें। 15. कृपया इस लिंक पर भी जाएं : **https://www.tatacapital.com/property-disposal.html**
कृपया ध्यान दें: टीसीएचएफएल ने इस संपत्ति की बिक्री/नीलामी के लिए उल्लिखित नीलामी भागीदार के अलावा किसी दलाल / एजेंट को नहीं लगाया है। इच्छुक पक्षों को इस मामले में सभी प्रश्नों और जांच के लिए केवल अधोहस्ताक्षरी या अधिकृत कार्यालय से संपर्क करना चाहिए।

ह/–
(प्राधिकृत अधिकारी)
टाटा कैपिटल हाउसिंग फाईनेंस लि.
स्थान : इन्दौर (म.प्र.)
दिनांक : 26-09-2025